इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
मानविकी विद्यापीठ (एसओएच) (SOH)

स्नातकोत्तर कला उपाधि ज्योतिष्
(MAJY)

कार्यक्रम दर्शिका

Programme Guide

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110068
ईमेल- sohignou.ac.in.

1. प्रस्तावना

ज्योतिष कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय प्राच्य विद्या के अन्तर्गत काल ज्ञान, ग्रह गति, सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण से लेकर भारतीय ऋषियों के मतों के आधार पर अंतरिक्ष में होने वाली घटनाओं के साथ मानव मात्र के व्यावहारिक जीवन का संचालन किस प्रकार होता है, इन तथ्यों का प्रामाणिक और विस्तृत ज्ञान प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को वेदांग नामक ज्योतिष शास्त्र का ज्योतिर्विज्ञान के रूप में किस प्रकार अध्ययन किया जाता है, यह भी परिज्ञान होगा। प्राचीन भारत में ज्योतिषीय गणित, सिद्धांत एवं फलित की अवधारणा का विशेष ज्ञान कराने के साथ-साथ विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम की अध्ययन सामग्री के द्वारा ज्योतिष की समग्र जानकारी प्रदान की जाएगी। इस प्रकार के अध्ययन से विद्यार्थी समाज के सरोकार में रहकर अपनी विद्या से स्वयं लाभान्वित रहते हुए, सभी के हित चिंतन में भी संलग्न रहेंगे। विषय ज्ञान के साथ-साथ रोजगार के प्रति प्रेरित करना और उसके लिए योग्य होने की क्षमता विकसित करना भी इस कार्यक्रम में सन्निहित है।

2. प्रवेश के लिए योग्यता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा उच्चतर उपाधि।

3. शिक्षा का माध्यम: हिंदी

4. अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष, जुलाई तथा जनवरी दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध है।

5. शुल्क विवरण : रू 12600/- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए , रू 6300/- प्रति वर्ष

6. विशेष: 32 क्रेडिट का अध्ययन पूर्ण कर लेने वाले विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष में अध्ययन छोड़ देने पर प्रवेश एवं निकास की विधि से पी.जी डिप्लोमा प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

7. प्रवेश हेतु अधोलिखित लिंक का प्रयोग करें–

Link for** ODL mode Programmes **Admission Portals ***https://ignouadmission.samarth.edu.in***

https://ignouadmission.samarth.edu.in/

8. क्रेडिट पद्धति : एम ज्योतिष् कार्यक्रम के अंतर्गत क्रेडिट प्रणाली में कुल 64 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है। यह कार्यक्रम वार्षिक प्रणाली की विधि से संचालित है। प्रथम वर्ष के चार पाठ्यक्रमों की कुल 32 क्रेडिट है। इसी प्रकार द्वितीय वर्ष का भी निर्धारण किया गया है।

9. शिक्षण प्रविधि : यह कार्यक्रम छात्रोन्मुखी ओडीएल शिक्षा पद्धति पर आधारित है। 8 क्रेडिट के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखित पाठ्यसामग्री के साथ- साथ विषय के विद्वानों द्वारा निर्धारित पाठ्यसामग्री पर वीडियो लेक्चर आदि उपलब्ध कराये जाने की भी व्यवस्था है।

10. ई- पाठ्य सामग्री: विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अध्ययन सामग्री की पीडीएफ फाइल विश्वविद्यालय की वेबसाइट ignou.ac.in के ई- ज्ञान कोश http://egyankosh.ac.in / पटल पर उपलब्ध होगी।

11. सत्रीय कार्य (Assignment) विद्यार्थियों को असाइनमेंट भी बनाना होगा जिसका प्रश्न पत्र वेबसाइट के पटल पर अपलोड होगा, उसकी प्रिंट निकाल कर एक- एक पेपर का उत्तर अलग-अलग लिखकर संबंधित स्टडी सेंटर में विद्यार्थियों द्वारा जमा किया जाएगा। यह कार्य सभी के लिए अनिवार्य है।

12. कार्यक्रम का विवरण - कुल 64 क्रेडिट

पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम .ए. ज्योतिष् प्रथम वर्ष (32 क्रेडिट)		
MJY-001	भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता	08
MJY-002	सिद्धांत ज्योतिष एवं काल	08
MJY- 003	पंचांग एवं मुहूर्त	08
MJY-004	कुंडली निर्माण	08

कार्यक्रम समन्वयक - डॉ देवेश कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली Email-dkmisr@ignou.ac.in 01129572788

13. पाठ्यक्रम - एम. ए. ज्योतिष - प्रथम वर्ष

प्रथम पाठ्यक्रम MJY-001 **भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं -ऐतिहासिकता**

खण्ड 1. ज्योतिषशास्त्र का उद्भव एवं विकास

इकाई 1. संस्कृत वाङ्मय का स्वरूप
इकाई 2. ज्योतिषशास्त्र का परिचय
इकाई 3. ज्योतिषशास्त्र का उद्भव एवं विकास
इकाई 4. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य
इकाई 5. ज्योतिषशास्त्र की वेदांगता

खण्ड 2. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता

इकाई 1. शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिष की उपयोगिता
इकाई 2. समाज में ज्योतिष की उपयोगिता
इकाई 3. पर्यावरण और ज्योतिष
इकाई 4. स्वास्थ्य और ज्योतिष
इकाई 5. विभिन्न समस्यायें और ज्योतिष

खण्ड 3. ज्योतिषशास्त्र के अंग

इकाई 1. बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष का विवेचन
इकाई 2. प्रमुख स्कन्ध – सिद्धान्त
इकाई 3. प्रमुख स्कन्ध – संहिता
इकाई 4. प्रमुख स्कन्ध – होरा
इकाई 5. स्कन्धों का पारस्परिक सम्बन्ध

खण्ड 4. ज्योतिषशास्त्र में – सृष्टि, प्रलय, पृथिवी, दिग् व्यवस्था

इकाई 1. सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त
इकाई 2. विश्व, सौरपरिवार एवं पृथिवी
इकाई 3. देश की अवधारणा एवं भेद
इकाई 4. दिक् की अवधारणा एवं भेद
इकाई 5. काल की अवधारणा एवं भेद
इकाई 6. प्रलय की अवधारणा एवं भेद

द्वितीय पाठ्यक्रम MJY-002 -सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

खण्ड 1. सिद्धान्त स्कन्ध

इकाई 1. सिद्धान्त ज्योतिष का परिचय
इकाई 2. गोलज्ञान
इकाई 3. भूगोल का स्वरूप
इकाई 4. सूर्यादि ग्रहों के भगण
इकाई 5. ग्रहगति विवेचन
इकाई 6. भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि विवेचन

खण्ड 2. ग्रहानयन

इकाई 1. अहर्गण का स्वरूप एवं साधन
इकाई 2. मध्यमग्रह साधन
इकाई 3. मन्दफल एवं शीघ्रफल का परिचय
इकाई 4. क्रान्ति अक्षांश और देशान्तर विवेचन
इकाई 5. भुजान्तर, चरान्तर एवं उदयान्तर
इकाई 6. ग्रह स्पष्टीकरण

खण्ड 3. ज्योतिष में काल विवेचन

इकाई 1. काल की अवधारणा
इकाई 2. अमूर्त काल
इकाई 3. मूर्त काल
इकाई 4. ग्रहकक्षा
इकाई 5. भचक्र व्यवस्था

खण्ड 4. नवविध कालमान विवेचन

इकाई 1. ब्राह्य एवं दिव्य मान विवेचन
इकाई 2. पैत्र्य, प्राजापत्य एवं बार्हस्पत्य मान
इकाई 3. सौरमान, सावनमान, चान्द्रमान एव ंनाक्षत्रमान
इकाई 4. अहोरात्र व्यवस्था
इकाई 5. अधिमास एवं क्षयमास

तृतीय पाठ्यक्रम MJY-003 – पंचांग एवं मुहूर्त

खण्ड – 1 पंचांग परिचय

इकाई – 1 पंचांग का स्वरूप

इकाई – 2 पंचांग निर्माण की परम्परा

इकाई – 3 पंचांग का सैद्धान्तिक स्वरूप

इकाई – 4 पंचांग के भेद

इकाई – 5 पंचांग की उपयोगिता

खण्ड – 2 पंचांग साधन एवं प्रकार

इकाई – 1 तिथि साधन

इकाई – 2 वार साधन

इकाई – 3 नक्षत्र साधन

इकाई – 4 योग साधन

इकाई – 5 करण साधन

खण्ड – 3 मुहूर्त विचार की आवश्यकता एवं संस्कार

इकाई – 1 मुहूर्त परिचय

इकाई – 2 संस्कार परिचय एवं आवश्यकता

इकाई – 3 गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन एवं नामकरण मुहूर्त

इकाई – 4 कर्णवेध, अन्नप्राशन एवं चूड़ाकर्म मुहूर्त

इकाई – 5 अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ, उपनयन एवं विवाह मुहूर्त

इकाई – 6 वधूप्रवेश, द्विरागमन, यात्रा, गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त

खण्ड – 4 व्रत पर्व एवं उत्सवों का धर्मशास्त्रीय निर्णय

इकाई – 1 तिथ्यादि–निर्णय

इकाई – 2 व्रत–निर्णय

इकाई – 3 पर्व–निर्णय

इकाई – 4 उत्सव–निर्णय

इकाई – 5 श्राद्ध परिचय

चतुर्थ पाठ्यक्रम MJY-004– कुण्डली निर्माण

खण्ड 1. तात्कालिक ग्रह निर्माण

इकाई 1. सूर्योदय, सूर्यास्त एवं दिनमान साधन
इकाई 2. इष्टकाल एवं चालन
इकाई 3. भयात्, भभोग एवं चन्द्रस्पष्टीकरण
इकाई 4. पंचांग द्वारा सूर्यादि ग्रहों का तात्कालिक स्पष्टीकरण

खण्ड 2. भावसाधन

इकाई 1. पलभा, चरखण्ड, उदयमान
इकाई 2. लग्नसाधन
इकाई 3. दशमलग्न साधन
इकाई 4. भावसाधन एवं चलितचक्र निर्माण
इकाई 5. अष्टकवर्ग साधन

खण्ड 3. दशा विवेचन

इकाई 1. विंशोत्तरी दशा साधन
इकाई 2. अष्टोत्तरी दशा साधन
इकाई 3. योगिनी दशा साधन
इकाई 4. अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा
इकाई 5. सूक्ष्म दशा एवं प्राण दशा

खण्ड 4. बलाबल निर्धारक प्रमुख अवयव

इकाई 1. षड्वर्ग विचार
इकाई 2. दृष्टि विचार
इकाई 3. राशि एवं ग्रह का स्वरूप
इकाई 4. नक्षत्र, राशि एवं ग्रहों का पारस्परिक सम्बन्ध
इकाई 5. षड्बल विचार
इकाई 6. ग्रहमैत्री विमर्श